

नेपाल की तबाही में 4 हजार से ज्यादा लापता 1200 से अधिक मौतें; अपनों की तलाश में भटक रहे परिवार

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन ने हजारों परिवारों को उजाड़ दिया है। हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर ढहने से आई भीषण बाढ़ के बाद अब 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 4,200 से अधिक लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल मलबे में जिंदगी की तलाश कर रहे हैं। सबसे दर्दनाक तस्वीर उन परिवारों की है, जिन्हें अब तक अपने परिजनों का कोई सुराग नहीं मिला। नुवाकोट और रसुवा जैसे बुरी तरह प्रभावित इलाकों में लोग मलबे के बीच अपने रिश्तेदारों को खोज रहे हैं। कई जगहों पर पहचान मुश्किल हो चुके शव बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान के लिए अधिकारियों ने डीएनए नमूने जुटाने और शवों का रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

आपदा ने नेपाल के जलविद्युत ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचाया है

करीब 900 श्रमिकों के लापता होने की आशंका है, जिनमें कई के सुरंगों में फंसे होने की बात सामने आई है। बचाव दल कुछ सुरंगों में ऑक्सीजन पहुंचाकर संभावित जीवित लोगों तक



पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। भारत, चीन और अमेरिका समेत कई देशों की टीमें नेपाल के राहत अभियान में मदद कर रही हैं।

लेकिन मलबे, टूटी सड़कों और दुर्गम पहाड़ी इलाकों के कारण अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। हर गुजरते दिन के साथ लापता लोगों के सुरक्षित मिलने की

उम्मीद कमजोर पड़ रही है, लेकिन परिवार अब भी मलबे के हर ढेर में अपनों की तलाश कर रहे हैं।

» » किसी के लिए यह आपदा खत्म हो चुकी है, लेकिन हजारों परिवारों के लिए इंतजार अभी जारी है।

मोदी-पेजेशिकयान की मुलाकात से अमेरिका क्यों बेचैन? रुबियो की चेतावनी ने बढ़ाई कूटनीतिक गर्मी



भारत ने ईरान से व्यापार बढ़ाने के संकेत दिए, वॉशिंगटन ने तुरंत खींची लाल रेखा; असली चिंता प्रतिबंधों और ईरान की कमाई को लेकर

नई दिल्ली। बिश्केक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान की मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका संबंधों की कूटनीति में अचानक नया तनाव दिखाई देने लगा है। एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के साथ भारत की दीर्घकालीन मित्रता दोहराते हुए व्यापार को विस्तार देने और उसमें विविधता लाने की बात कही। यही संकेत वॉशिंगटन को असहज करने के लिए काफी थे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई व्यापार समझौता हो रहा है, लेकिन साथ ही उन्होंने साफ चेतावनी दी कि कोई भी देश ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद न करे।

अंतरिक्ष में भारत की नई नजर

इसरो लॉन्च करेगा ईओएस-05



श्रीहरिकोटा से रात 2:55 बजे उड़ान भरेगा जीएसएलवी-एफ17, 36 हजार किमी की ऊंचाई से होगी धरती की निगरानी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) शुक्रवार, 4 सितंबर 2026 को तड़के 2:55 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-05 का प्रक्षेपण करेगा। इसे जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

इसरो ने मिशन को निर्धारित कार्यक्रम में रखा है। ईओएस-05 को खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि यह भारत का पहला ऐसा पृथ्वी-अवलोकन

उपग्रह होगा, जो भू-समकालिक कक्षा से व्यापक क्षेत्र की लगातार निगरानी करने में सक्षम होगा। करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई से यह लंबे समय तक एक ही क्षेत्र पर नजर रखने की क्षमता देगा।

इस उपग्रह की उपयोगिता केवल तस्वीरें लेने तक सीमित नहीं है। मौसम की निगरानी, बाढ़, चक्रवात, जंगलों में आग, कृषि और पर्यावरणीय बदलावों की पहचान में इससे मिलने वाला आंकड़ा महत्वपूर्ण हो सकता है। इसके अलावा सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी इस मिशन को रणनीतिक महत्व दिया जा रहा है।

कर्म करो, फल की चिंता मत करो

तेजी से बदलती दुनिया में GenZ अपनी अलग पहचान बना रही है। तकनीक, सोशल मीडिया, करियर और अपने अधिकारों को लेकर यह पीढ़ी पहले की पीढ़ियों से कहीं अधिक मुखर है।

लेकिन इसी तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव, असफलता का डर, तुलना और भविष्य की चिंता



भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। ऐसे दौर में भगवान श्रीकृष्ण की सीख युवाओं के लिए जीवन का मजबूत मार्गदर्शन बन सकती है।

श्रीकृष्ण का सबसे बड़ा संदेश है—कर्म पर ध्यान दो, परिणाम की चिंता में खुद को कमजोर मत बनाओ। गीता का यह संदेश आज के युवाओं

के लिए खास मायने रखता है। परीक्षा, नौकरी, कारोबार या रिश्तों में सफलता की गारंटी किसी के पास नहीं होती, लेकिन ईमानदारी से किया गया प्रयास व्यक्ति के हाथ में जरूर होता है। कृष्ण यह भी सिखाते हैं कि परिस्थितियां चाहे कितनी कठिन हों, निर्णय विवेक और धैर्य से लेना चाहिए। महाभारत के युद्ध में अर्जुन जब भ्रम और निराशा में थे,

तब कृष्ण ने उन्हें कर्तव्य और आत्मविश्वास का रास्ता दिखाया। GenZ के लिए दूसरी बड़ी सीख है कि जीवन में बदलाव से डरना नहीं चाहिए। समय के साथ सोच बदलना, नई परिस्थितियों को समझना और सही निर्णय लेना ही आगे बढ़ने की ताकत है। आज जब सोशल मीडिया पर दूसरों की जिंदगी से तुलना करने की आदत बढ़ रही है, तब कान्हा जी का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है—अपनी भूमिका पहचानो, अपना कर्म करो और जीवन की हर चुनौती का सामना आत्मविश्वास के साथ करो।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी विशेष: विशुद्धि चक्र के स्वामी श्री कृष्ण सद् विवेक की पूर्ण शक्ति हैं

सहजयोग संस्थापिका परमपूज्य श्रीमाताजी निर्मला देवी के अनुसार भगवान विशुद्धि चक्र के स्वामी हैं, श्रीविष्णु शक्ति का पूर्ण अवतार हैं। श्रीकृष्ण ने जो भी लीलाएं की वे सब पूर्ण सत्य व अध्यात्म पर आधारित थीं। श्रीकृष्ण मंगलमय, मधुर, मोहक, प्रेममय, साक्षी स्वरूप, वैभव के स्वामी, ज्ञानयोग-कर्मयोग भक्तियोग के प्रणेता धर्म के संस्थापक तथा सद्-विवेक की पूर्ण शक्ति हैं। जो नकारात्मक शक्तियों को नष्ट करने के लिए पृथ्वी पर अवतरित हुए। श्री कृष्ण ने अपनी लीलाओं द्वारा कुछ संदेश साधकों के लिए प्रेषित किए जैसे कि नीरस परंपराओं का विरोध करना, जातिवाद के स्थान पर व्यक्ति की सच्चरित्रता को प्रधानता देना, आर्थिक भेदभाव को छोड़ मित्रता को महत्व देना इत्यादि। परंतु लीलाधर के संदेशों को समझने के लिए आपको पहले यह समझना होता है, कि यह सृष्टि कृष्णशक्ति श्री विष्णुमाया की एक लीला है और इसके परे जाने के लिए आपको साक्षी स्वरूप होना होता है। जैसा कि श्री कृष्ण ने गीता में कहा है, आत्मानुभव प्राप्त करके स्थितप्रज्ञ हो जाओ। भगवान श्री कृष्ण का यह संदेश जितना सरल दिखाई देता है उतना ही कठिन है। एक आत्मज्ञानी व्यक्ति ही इस संदेश की गूढ़ता को सही रूप में

समझ सकता है। जब तक व्यक्ति को आत्मा का ज्ञान नहीं होता वह मस्तिष्क पर नियंत्रण नहीं कर सकता और हमारा मस्तिष्क सोचता चला जाता है तथा अपने चारों ओर माया का फंदा बनाता जाता है और उसमें स्वयं ही फंसता जाता है। इस प्रकार हम साक्षी स्वरूप होने के भाव से कोसों दूर हो जाते हैं। श्री माताजी के अनुसार, 'यह सब खेल है अर्थात् हमें इस नाटक का दर्शक बनना है, माया में हमें खो नहीं जाना है। आप यदि दर्शक



हैं तो माया और उसकी कार्यशैली को देख सकते हैं। इस साक्षी भाव को विकसित करने के लिए श्री माताजी ने हमें प्रतिक्रिया ना करने का मार्ग सुझाया है। प्रतिक्रियाओं के द्वारा हम अपने मन को इतना उलझा देते हैं कि हमारी निर्णय करने की शक्ति क्षीण हो जाती है। श्री माताजी के अनुसार, 'मनुष्य प्रतिक्रिया तभी करता है जब उसका परमात्मा से संबंध विच्छेद हो जाता है।' श्री

माताजी के समक्ष जबकि आप आत्म साक्षात्कार को प्राप्त कर लेते हैं तब आप परमात्मा की परम चैतन्यता को अनुभव कर पाते हैं और साक्षी भाव को भी प्राप्त कर पाते हैं। श्री माताजी कहती हैं कि बिना बोले, बिना कुछ कहे साक्षी अवस्था में आप शक्तिशाली हो जाते हैं तथा अनेक समस्याओं को सहज ही सुलझा पाते हैं। साक्षी अवस्था मानसिक स्थिति नहीं है अपितु यह आध्यात्मिक उत्थान की अवस्था है। एक बार जब आप बाह्य चीजों के प्रति प्रतिक्रिया करना बंद कर देते हैं तो अंतर्स में प्रतिक्रिया होती है और अंतर्दर्शन प्रारंभ हो जाता है। साक्षी अवस्था में रहने वाले लोगों में कई रोचक परिवर्तन दिखाई देने लगते हैं उनकी स्मरण शक्ति का हास कम हो जाता है, वे हर देखी हुई चीज की बारीकियों को बता सकते हैं, समस्याओं के सही समाधान ढूंढने में सक्षम हो जाते हैं, पर की माया का प्रभाव ऐसे व्यक्तियों नहीं होता तथा वे सदैव आनंद स्थिति में रहते हैं। आनंद की साक्षी अवस्था को प्राप्त करने हेतु सहज योग महत्वपूर्ण माध्यम है। सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु आप जानकारी निम्न साधनों से पा सकते हैं। टोल फ्री नं - 1800 2700 8000 वेबसाइट - sahajayoga.org.in

वन सेवा की नई उड़ान: सुमित गुप्ता ने 18 माह का कठोर प्रशिक्षण किया पूर्ण, क्षेत्र में हर्ष की लहर

हेमंत भार्गव

करैरा। क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है कि सुनील गुप्ता के सुपुत्र एवं छोटे भाई सुमित गुप्ता ने वन रेंजर कॉलेज, राजपीपला (गुजरात) से 18 माह का कठोर एवं व्यापक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। उनकी इस उपलब्धि से परिजनों सहित क्षेत्र में हर्ष और गर्व का वातावरण है।

वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करना सुमित गुप्ता के अनुशासन, परिश्रम, लगन और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है। प्रकृति की अनमोल धरोहरों की रक्षा तथा पर्यावरण एवं



वन्यजीवों के संरक्षण की जिम्मेदारी को लेकर उनका यह सफर निश्चित रूप से प्रेरणादायी है। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर

क्षेत्र के पत्रकारों, समाजसेवियों एवं शुभचिंतकों ने सुमित गुप्ता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य, सफल करियर तथा देश की सेवा में उल्लेखनीय योगदान की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगे। सुमित गुप्ता की इस उपलब्धि ने परिवार के साथ-साथ क्षेत्र का मान भी बढ़ाया है। उनकी सफलता युवाओं के लिए यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, सतत परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण से कठिन से कठिन मंजिल भी हासिल की जा सकती है।

झाबुआ में नई Bajaj Pulsar N160 SS का भव्य लॉन्च



सलीम हुसैन

झाबुआ शहर के प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल प्रतिष्ठान छाजेड़ ऑटोमोबाइल्स द्वारा नई Bajaj Pulsar N160 SS का भव्य लॉन्च समारोह राजगढ़ नाका स्थित छाजेड़ बजाज शोरूम में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले की प्रतिष्ठित हस्तियों, सभी सब-डीलर्स, ग्राहकों एवं बड़ी संख्या में झाबुआ की जनता ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नई Pulsar N160 SS का अनावरण रहा। जैसे ही बाइक से पर्दा हटाया गया, उपस्थित अतिथियों एवं ग्राहकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इसका स्वागत किया। बाइक के नए स्पोर्टी लुक एवं आधुनिक फीचर्स ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर आरटीओ मुख्य अधिकारी कृतिका मोहता, व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष पंकज मोगरा, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि बिट्टू सिंगार, समाजसेवी एवं छाजेड़ ऑटोमोबाइल्स के संस्थापक मनोहर छाजेड़ एवं संजय

जैन मध्य प्रदेश स्टेट हेड, संघर्ष से सिद्धि, JTV भारत की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन संजय अग्रवाल द्वारा किया गया, जिन्होंने देश-विदेश में अनेक कार्यक्रमों का सफल संचालन किया है।

नई Pulsar N160 SS की प्रमुख खूबियाँ

नई बाइक में स्मार्ट एवं तेज इंजन, 18.5 PS की दमदार पावर, मात्र 4.5 सेकंड में 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार, 4 राइड मोड, बेहतर कंट्रोल, खराब रास्तों पर आसान राइडिंग, आधुनिक नेविगेशन सुविधा एवं नया स्पोर्टी डिजाइन जैसी विशेषताएँ शामिल हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सब-डीलर्स, ग्राहकों एवं झाबुआ की जनता ने नई बाइक को करीब से देखा और इसके शानदार लुक एवं प्रदर्शन की सराहना की। अंत में अंकित छाजेड़ ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहकों का विश्वास एवं सहयोग ही छाजेड़ ऑटोमोबाइल्स की सफलता की सबसे बड़ी ताकत है।

संचार संकर्म समिति की बैठक बुधवार, 16 सितंबर को

नवल किशोर

कटनी। जिला पंचायत की संचार संकर्म समिति की बैठक सभापति अजय गोडिया की अध्यक्षता में बुधवार, 16 सितंबर को 12 बजे से आयोजित की गई है।

संचार संकर्म समिति की सचिव द्वारा जारी पत्र के मुताबिक बैठक का एजेंडा एवं स्थान यथावत रहेगा। गौरतलब है कि 19 अगस्त 2026 को आहूत संचार संकर्म समिति की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई थी।



समिति की सचिव ने सर्व संबंधित विभागों वन, लोक निर्माण, पी. आई. यू., जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, हाउसिंग बोर्ड, मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी, ग्रामीण संभाग कटनी एवं कृषि कल्याण विभाग से बैठक हेतु निर्धारित तिथिसमय एवं स्थान पर उपस्थित होने के साथ वांछित जानकारी एक दिन पूर्व 8 सितंबर को ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कटनी कार्यालय में उपलब्ध कराने को कहा है।

राहुल कांतिलाल लोदवाल को मिली नई जवाबदारी

राजेश धाकड़

इंदौर। श्रमिक बस्ती की साधारण गलियों से निकलकर भारतीय जनता पार्टी जैसे विशाल संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व मिलना राहुल कांतिलाल लोदवाल के लिए सम्मान के साथ-साथ गौरव और बड़ी जिम्मेदारी का विषय है। लोदवाल ने कहा कि भाजपा की विशेषता है कि यहां कार्यकर्ता की पहचान उसके परिश्रम, समर्पण और सेवा-भाव से होती है। एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और निष्ठा के बल पर संगठन में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे निष्ठा,



ईमानदारी, समर्पण और सेवा के माध्यम से सार्थक करना उनका संकल्प है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इंदौर संभाग प्रभारी रणवीरसिंह रावत

तथा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार के निर्देशानुसार और भाजपा इंदौर नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक महेंद्र हार्डिया एवं अनुसूचित जाति मोर्चा इंदौर नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान की सहमति से राहुल कांतिलाल लोदवाल को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, इंदौर नगर उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। नवदायित्व मिलने पर लोदवाल ने सभी वरिष्ठ नेताओं एवं संगठन के पदाधिकारियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा और जनसेवा के प्रति पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

इंदौर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर होगा ऐतिहासिक भूमिपूजन समारोह श्री बलाई सकल पंच राधा कृष्ण मंदिर एवं धर्मशाला के पुनर्निर्माण कार्य की होगी शुरुआत



खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर जूनी इंदौर के श्रीकृष्ण नगर स्थित श्री बलाई सकल पंच राधा कृष्ण मंदिर एवं धर्मशाला समिति द्वारा समाज की ऐतिहासिक पुरानी धर्मशाला के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह आयोजित किया जाएगा। 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को सुबह 10:30 बजे होने वाले इस कार्यक्रम के साथ नवीन भवन निर्माण कार्य की शुरुआत होगी।

प्रस्तावित भवन में राधा-कृष्ण मंदिर, मैरिज हॉल, शैक्षणिक एवं अतिथि कक्ष तथा सामाजिक संस्थाओं के कार्यालय सहित समाजहित से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं विकसित की जाएंगी। समिति अध्यक्ष अशोक कुमार मालवीय के अनुसार, यह आयोजन केवल भवन

निर्माण की शुरुआत नहीं, बल्कि समाज की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करते हुए विकास की नई दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तथा मंत्री तुलसीराम सिलावट की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3 के विधायक गोलू शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं समाजजन भी समारोह में शामिल होंगे।

कार्यक्रम स्थल: श्री बलाई सकल पंच राधा कृष्ण मंदिर एवं धर्मशाला, 10 श्रीकृष्ण नगर, कटकटपुरा, जूनी इंदौर। आयोजक समिति ने समाज के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।



उज्जैन
इंसानी
खोपड़ी में
चाय पीते
दिखी किन्नर
अघोरी

Ansh Todawat को जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई

ईश्वर तुम्हें सदा स्वस्थ, प्रसन्न और सफल रखे।

तुम्हारा जीवन खुशियों से भरा रहे, तुम हमेशा आगे बढ़ो, अपने सपनों को पूरा करो और हर कदम पर सफलता हासिल करो। तुम हमेशा ऐसे ही सभी के दिलों में प्यार और खुशी बनकर रहो।

दादा-दादी, नाना-नानी, मम्मी-पापा, चाचा-चाची, बुआ-फूफाजी, बहन-भाई, मौसी-मौसाजी, मामा-मामी - की ओर से -

ढेर सारी शुभकामनायें

हमेशा सीखते रहो | बड़े सपने देखो | हमेशा मजबूत रहो | सदा खुश रहो | सबका प्यारा बनो रहो

♥ तुम पर हमेशा हमारा आशीर्वाद और प्यार बना रहे ♥

Bright Future LEARNING ACADEMY

An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

ADMISSIONS OPEN 2026-27

KG-1 to Class 10

QUALITY EDUCATION | EXPERIENCED FACULTY | VALUES & DISCIPLINE | HOLISTIC DEVELOPMENT

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें **9827068888**

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा | अनुभवी शिक्षक | सुरक्षित परिसर | सर्वांगीण विकास

सुविधा की भूख में नागरिक बोध की हत्या!

नियम चाहिए दूसरों के लिए, आजादी चाहिए अपने लिए-क्या यही बन गया है हमारा नागरिक चरित्र?

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

शहर गंदा है तो सरकार दोषी। सड़क टूटी है तो प्रशासन दोषी। यातायात जाम है तो पुलिस दोषी। अतिक्रमण है तो नगर निगम दोषी। लेकिन जरा आईना अपने सामने रखिए- इन समस्याओं को पैदा करने में हमारी भूमिका कितनी है? हम सुविधा चाहते हैं, मगर जिम्मेदारी नहीं। सड़क चाहिए साफ, लेकिन कचरा फेंकने के लिए डस्टबिन तक चलकर जाना मंजूर नहीं। फुटपाथ चाहिए पैदल चलने के लिए, मगर दुकान बढ़ाने के लिए उसी पर कब्जा करने में कोई हिचक नहीं। यातायात व्यवस्था चाहिए अनुशासित, लेकिन लाल बत्ती पर रुकना समय की बर्बादी लगता है।

यह कैसी मानसिकता है?

हम कानून को तब तक अच्छा मानते हैं, जब तक वह किसी दूसरे पर लागू हो। अपने ऊपर आते ही वही कानून हमें 'अनावश्यक रोक' दिखाई देने लगता है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि अनुशासन अब डर से जुड़ गया है, संस्कार से नहीं। पुलिस दिखी तो हेलमेट पहन लिया, कैमरा दिखा तो सीट बेल्ट लगा ली, चालान का डर हुआ तो नियम याद आ गए। यानी कानून का सम्मान नहीं, सिर्फ पकड़े जाने का डर बचा है। लेकिन दोष केवल नागरिक का भी नहीं है।

जब नियम तोड़ने वाले रसूखदार बच निकलते हैं और सामान्य नागरिक पर कानून का डंडा चलता है, तब व्यवस्था खुद नागरिकों को गलत संदेश देती है। कानून की विश्वसनीयता तभी बचेगी, जब वह कमजोर और ताकतवर दोनों के लिए बराबर होगा। सुविधाएं सरकार की जिम्मेदारी हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में अनुशासन नागरिक की जिम्मेदारी है। दोनों में से एक भी पक्ष पीछे हटा तो शहर नहीं, पूरा सामाजिक ढांचा बिगड़ता है।

हमें तय करना होगा—हम नागरिक हैं या केवल सुविधा के उपभोक्ता?

क्योंकि सड़क पर कूड़ा फेंकने वाला, नियम तोड़कर आगे निकलने वाला और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाला जब व्यवस्था को गाली देता है, तो वह भूल जाता है कि व्यवस्था कोई बाहर की चीज नहीं है—हम सब मिलकर ही व्यवस्था बनाते हैं।

अब सवाल प्रशासन से भी है और नागरिक से भी—

क्या नियम सिर्फ किताबों में रहेंगे?

क्या अनुशासन सिर्फ भाषणों में बचेगा?

और क्या सुविधा के नाम पर नागरिक जिम्मेदारी की हत्या जारी रहेगी? अगर जवाब हां है, तो फिर हमें बेहतर शहर की मांग करने का नैतिक अधिकार भी खो देना चाहिए। शहर सरकारें बनाती हैं, लेकिन सभ्य शहर नागरिक बनाते हैं।

क्या आपके टीचर को भी मिल रहा है सम्मान?

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

गोरखपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को गोरखपुर में प्रदेश के उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार 2025 और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विद्यालयों के बेहतर प्रबंधन, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान देने वाले कुल 81 शिक्षकों को सम्मान प्रदान करेंगे सम्मान समारोह गोरखपुर के योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित होगा। प्रदेशभर से चयनित शिक्षकों के ठहरने की व्यवस्था होटलों में विशिष्ट अतिथियों की तरह की गई है। पुरस्कार के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के 61 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 20 शिक्षकों का चयन हुआ है। चयनित शिक्षकों में कुल 33 शिक्षिकाएं शामिल हैं, जिनमें बेसिक शिक्षा विभाग की 31 और माध्यमिक शिक्षा विभाग की 2 शिक्षिकाएं हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग से चयनित पांच शिक्षकों को मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कारों का उद्देश्य शिक्षकों को बेहतर शिक्षण कार्य के लिए प्रोत्साहित करना और समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उनके प्रयासों को और प्रभावी बनाना है। राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह के साथ 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि भी दी जाएगी।

ईरान को सुपरसोनिक मिसाइल की तकनीक दे रहा रूस! अमेरिका के युद्धपोतों पर मंडरा रहा नया खतरा?

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। रूस और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य सहयोग अब अमेरिका के लिए नई रणनीतिक चुनौती बन सकता है। फाइनेंशियल टाइम्स की जांच के मुताबिक रूस गुप्त रूप से ईरान को सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित करने की तकनीक में मदद कर रहा है।

यह सहयोग 'सी430एल' नाम के एक गुप्त कार्यक्रम के तहत 2023 से चल रहा है और 2026 तक जारी रहने के संकेत मिले हैं। इस परियोजना का मुख्य फोकस रैमजेट प्रणोदन तकनीक पर है। यह तकनीक क्रूज मिसाइल को कई गुना तेज गति से उड़ाने में मदद कर सकती है। खास



बात यह है कि ऐसी मिसाइलें कम ऊंचाई पर तेज गति से उड़ सकती हैं,

जिससे रडार और वायु रक्षा प्रणालियों के पास प्रतिक्रिया देने के लिए समय

काफी कम हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार रूसी हथियार निर्यात कंपनी रोसोबोरोनेक्सपोर्ट और मिसाइल निर्माता एनपीओ मशिनेस्ट्रोएनिया ने इस कार्यक्रम में भूमिका निभाई है। रूसी विशेषज्ञों ने ईरान जाकर इंजन, ईंधन प्रणाली, दहन स्थिरता और वायु प्रवेश जैसी तकनीकी समस्याओं पर काम किया।

ईरान रैमजेट प्रणाली का निर्माण और उड़ान परीक्षण भी कर चुका है, हालांकि रूसी सहायता से विकसित कोई सुपरसोनिक मिसाइल अभी तैनात हो चुकी है, इसका प्रमाण नहीं है।

अमेरिका के लिए चिंता क्यों?

अगर ईरान इस तकनीक को सफलतापूर्वक हथियार में बदल लेता

है तो फारस की खाड़ी में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों और अन्य सैन्य ठिकानों के लिए खतरा बढ़ सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक असली चुनौती केवल एक मिसाइल हासिल करना नहीं, बल्कि मिसाइल इंजन की तकनीक में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। इससे ईरान भविष्य में इसी तकनीक पर आधारित अलग-अलग हथियार विकसित कर सकता है। यह घटनाक्रम रूस-ईरान के बढ़ते सैन्य गठजोड़ की गहराई भी दिखाता है। अब सवाल यह है कि क्या मॉस्को की तकनीकी मदद ईरान को मध्य-पूर्व में ऐसा हथियार दे सकती है, जो अमेरिकी नौसैनिक शक्ति के लिए नया सिरदर्द बन जाए?

भारत में पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी, 14 फरवरी से होगा महामुकाबला

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

महिला क्रिकेट के इतिहास में नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी भारत को सौंप दी है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 14 से 28 फरवरी 2027 तक खेला जाएगा।

पहले इसकी मेजबानी श्रीलंका को मिली थी, लेकिन अब आयोजन भारत में कराने का फैसला किया गया है। टूर्नामेंट के मुकाबले मुंबई और वडोदरा में होंगे। मुंबई का क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया और वडोदरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम इसके आयोजन स्थल होंगे। 28 फरवरी को



खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

पहले संस्करण में कुल छह टीमों हिस्सा लेंगी—भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका। सभी मुकाबले टी-20 प्रारूप में खेले जाएंगे। छहों टीमों राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे से भिड़ेंगी और अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों फाइनल में पहुंचेंगी। भारत के लिए यह आयोजन इसलिए भी खास है क्योंकि पहली बार महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी देश को मिली है। घरेलू मैदान पर भारतीय टीम के सामने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों की चुनौती होगी। 14 फरवरी से शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट महिला क्रिकेट के लिए नए युग की शुरुआत माना जा रहा है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर महापौर श्रीमती सूरि ने नगर के प्रमुख मंदिरों का किया निरीक्षण

नवल किशोर

श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता, प्रकाश एवं सुगम आवागमन व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

कटनी । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। पर्व के दौरान मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए नगर निगम द्वारा स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल, आवागमन सहित आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार, 03 सितंबर को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरि ने शहर के प्रमुख मंदिरों का निरीक्षण कर जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। महापौर श्रीमती सूरि ने सत्यनारायण मंदिर, श्री गोविंद देव मंदिर तथा श्री महालक्ष्मी मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पर्व को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली तथा मौके पर आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। मंदिर परिसरों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर नियमित सफाई कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी पर्व के दौरान



मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक रहती है। ऐसे में मंदिर परिसरों के साथ-साथ आने-जाने वाले मार्गों पर भी स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

मंदिरों तक पहुंचने वाले मार्गों का भी किया निरीक्षण- महापौर श्रीमती सूरि ने मंदिरों तक पहुंचने वाले प्रमुख मार्गों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्गों की स्थिति का जायजा लेते हुए सड़क पर मौजूद गड्ढों की आवश्यक मरम्मत समय रहते पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों तक पहुंचेंगे, ऐसे में आवागमन वाले मार्ग सुगम एवं सुरक्षित होना आवश्यक है। उन्होंने सभी चिन्हित गड्ढों की मरम्मत प्राथमिकता के साथ कराने तथा पर्व से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश- महापौर ने मंदिरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि रात्रि के समय श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पर्व के दौरान व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे और जिन स्थानों पर अतिरिक्त व्यवस्था की आवश्यकता है, वहां समय रहते आवश्यक कार्रवाई पूर्ण कर ली जाए।

पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुगम रखने अतिक्रमण दस्ता रहे सतर्क- जन्माष्टमी पर्व के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए महापौर श्रीमती सूरि ने अतिक्रमण दस्ते को विशेष रूप से सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिरों के आसपास एवं प्रमुख आवागमन मार्गों पर किए गए अस्थाई अतिक्रमणों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें

हटाने तथा मार्गों को आवागमन के लिए सुगम बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए संबंधित अमले को निरंतर निगरानी रखने हेतु भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि केवल निरीक्षण तक सीमित न रहते हुए मौके पर चिन्हित आवश्यकताओं का तत्काल निराकरण किया जाए तथा पर्व के दौरान व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

आस्था के पर्व को व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने निगम की तैयारी- महापौर श्रीमती सूरि ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शहरवासियों की आस्था और श्रद्धा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। नगर निगम का दायित्व है कि पर्व के दौरान मंदिरों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इसी उद्देश्य से निगम द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन का प्रयास रहेगा कि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के मंदिरों में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सकें तथा जन्माष्टमी पर्व शहर में उत्साह, श्रद्धा और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य बीना बैनर्जी, उपायुक्त शैलेश गुप्ता, कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, पूर्व पार्षद विजय डब्लू रजक, सहायक यंत्री अनिल जायसवाल, मोना करेरा, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, उपयंत्री जे.पी. सिंह बघेल, अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह सहित नगर निगम के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसडीएम अनुपम शर्मा ने मुंगावली के शासकीय हाई स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्र का किया आकस्मिक निरीक्षण किया

करेरा। जिला कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) अनुपम शर्मा ने बुधवार को करेरा विकासखंड की ग्राम पंचायत मुंगावली में संचालित शासकीय हाई स्कूल मुंगावली का आकस्मिक निरीक्षण किया।



एसडीएम के अचानक विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित होती मिलीं। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का जायजा लेते हुए विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और उनकी पढ़ाई से संबंधित जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कक्षा 10 में डॉ. महेंद्र शर्मा द्वारा संस्कृत विषय का पाठ पढ़ाया जा रहा था। एसडीएम शर्मा ने कक्षा 9

एवं कक्षा 10 दोनों कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की तथा उनकी शैक्षणिक समझ को परखा। उन्होंने विद्यार्थियों से सवाल पूछे और पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि एवं तैयारी के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान विद्यार्थियों को गणित के सवाल भी समझाए- कक्षा 10 में एसडीएम अनुपम शर्मा ने विद्यार्थियों से गणित विषय से संबंधित सवाल पूछे तथा कुछ

गणित के सवालों को स्वयं समझाकर हल करने की प्रक्रिया बताई। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन करने तथा कठिन विषयों को समझने के लिए शिक्षकों से लगातार संवाद करने की सलाह दी। एसडीएम ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि “पढ़ाई ही एकमात्र ऐसी पूंजी है, जिसके माध्यम से जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है। इसलिए सभी विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए अभी से मेहनत करें।” इस दौरान प्रभारी प्राचार्य प्रदीप मिश्रा सहित विद्यालय का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

आंगनवाड़ी केंद्र का भी किया निरीक्षण

विद्यालय निरीक्षण के क्रम में एसडीएम शर्मा ने मुंगावली क्षेत्र में संचालित लक्ष्मीपुरा मजरा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-1 का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए संचालित व्यवस्थाओं एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र पर आने वाले बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे मध्याह्न भोजन/पोषण आहार के संबंध में जानकारी लेते हुए उसकी गुणवत्ता के बारे में भी चर्चा की।

किसान मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन संगठन को अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें. डॉ. मनोज माने



महेन्द्र मालवीय- रणजीत टाइम्स

बुरहानपुर। बुरहानपुर स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में किसान मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उन्हें नवीन दायित्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर भगवान श्री बलराम जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज माने ने इस दौरान कहा कि हमें विश्वास है कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन की विचारधारा को जन.जन तक पहुंचाते हुए किसानों के हित में सक्रिय भूमिका निभाएंगे और संगठन को अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। सभी को नवीन दायित्व के लिए पुनः हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं। इस अवसर पर नेपालगढ़ विधायक सुश्री मंजु राजेन्द्र दादु ने भी नवनियुक्त किसान मोर्चा पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें किसान हित एवं पार्टी हित में कार्य

करने की प्रेरणा दी। संचालन निलेश सातारकर ने किया।

उपरोक्त जानकारी देते हुवे भाजपा जिला मिडिया प्रभारी मुकेश कुमार पुर्वे ने बताया कि इस अवसर पर नेपालगढ़ विधायक सुश्री मंजु राजेन्द्र दादु, भाजपा जिला महामंत्री चिंतामन महाजन, वरिष्ठ भाजपा नेता नरहरी दिक्षित, पिछडा वर्ग मोर्चा के बडवानी प्रभारी गजेन्द्र पाटील, भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राहुल जाधव, उपाध्यक्ष सर्वश्री ईश्वर महाजन, योगेन्द्र प्रजापति, निलेश सातारकर, रूपेश लिहंकर, महामंत्री मनोज चौधरी एवं कुंदन यादव, मंत्री सुरेश सोनी, राजेश पाटील, डॉ. राजू महाजन, कार्यालय मंत्री सुभाष झोपे, जिला मीडिया प्रभारी नवीन आड़े एवं जिला उपाध्यक्ष संभाजीराव सगरे, मंत्री सुनील वाघे, पार्षद धनराज महाजन एवं आशीष शुक्ला सहित अन्य जिला, मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

सुबह जागते ही योग करना सही नहीं? पहले शरीर को करें तैयार, फिर शुरू करें अभ्यास

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

सुबह उठते ही सीधे योगासन या कठिन व्यायाम शुरू कर देना हर किसी के लिए सही नहीं हो सकता। रातभर सोने के बाद शरीर लंबे समय तक निष्क्रिय अवस्था में रहता है और मांसपेशियों व जोड़ों में अकड़न महसूस हो सकती है। ऐसे में बिना तैयारी अचानक ज्यादा खिंचाव वाले आसन करने से चोट या असहजता का खतरा बढ़ सकता है। योग शुरू करने से पहले शरीर को धीरे-धीरे सक्रिय करना बेहतर माना जाता है। सबसे पहले बिस्तर से आराम से उठें और शरीर को सामान्य होने के लिए कुछ मिनट दें। इसके बाद हल्की



चाल, हाथ-पैरों की सामान्य गतिविधियां और जोड़ों को धीरे-धीरे घुमाने जैसी गतिविधियां की जा सकती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार योग से पहले हल्का वार्म-अप शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ाने और

मांसपेशियों को सक्रिय करने में मदद करता है। गर्दन, कंधे, कलाईयों, कमर और टखनों को बिना जोर लगाए धीरे-धीरे चलाना उपयोगी हो सकता है। इसके बाद हल्की स्ट्रेचिंग की जा सकती है। सुबह शरीर की जरूरतों को समझना भी जरूरी है। पर्याप्त पानी पीना और जरूरत महसूस होने पर कुछ समय आराम करने के बाद अभ्यास शुरू करना बेहतर हो सकता है। खासकर जिन लोगों को कमर दर्द, जोड़ों की समस्या, चक्कर आने या कोई पुरानी बीमारी है, उन्हें कठिन आसन बिना विशेषज्ञ की सलाह के नहीं करने चाहिए। योग का उद्देश्य शरीर पर दबाव डालना नहीं, बल्कि उसे संतुलित और लचीला बनाना है।

एंजायटी या हार्ट अटैक? दोनों के लक्षण मिलते-जुलते, ऐसे पहचानें फर्क



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

सीने में दर्द, घबराहट, तेज धड़कन, सांस फूलना और अचानक पसीना आना—ये लक्षण अक्सर लोगों को डरा देते हैं। मुश्किल यह है कि ऐसे कई संकेत एंजायटी या पैनिक अटैक में भी दिखाई दे सकते हैं और हार्ट अटैक में भी। ऐसे में सिर्फ घर बैठे अंदाजा लगाना खतरनाक हो सकता है। एंजायटी या पैनिक अटैक के दौरान दिल की धड़कन तेज होना, सांस लेने में परेशानी, कंपकंपी, चक्कर, बेचैनी और मौत का डर महसूस हो सकता है। कई बार सीने में तेज दर्द भी होता है। दूसरी ओर हार्ट अटैक में सीने के बीच में दबाव, जकड़न या भारीपन महसूस हो सकता है। दर्द बाएं हाथ, कंधे, पीठ, गर्दन या जबड़े तक फैल सकता है। हार्ट अटैक के साथ ठंडा पसीना, मतली, उल्टी और अत्यधिक कमजोरी भी हो सकती है। महिलाओं, बुजुर्गों और मधुमेह के मरीजों में इसके लक्षण हमेशा सामान्य तरीके से सामने नहीं आते और कभी-कभी सिर्फ सांस फूलना या असामान्य थकान भी चेतावनी हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे जरूरी बात यह है कि सीने में नए, तेज या लगातार दर्द को केवल एंजायटी मानकर नजरअंदाज न करें। अगर दर्द कुछ मिनटों से अधिक बना रहे, बार-बार लौटे या सांस लेने में गंभीर परेशानी हो तो तुरंत आपातकालीन चिकित्सा सहायता लें। दिल और एंजायटी के लक्षणों में अंतर करना जरूरी है, लेकिन अंतिम फैसला जांच के बाद डॉक्टर ही कर सकता है।

खानपान की गलत आदतों से बढ़ रही पीरियड्स की परेशानी, डाइट में शामिल करें ये चीजें

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

पीरियड्स के दौरान पेट में दर्द, कमजोरी, थकान और मूड स्विंग्स को अक्सर सामान्य मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार खानपान और जीवनशैली भी इन परेशानियों की तीव्रता को प्रभावित कर सकती है। अनियमित भोजन, जरूरत से ज्यादा जंक फूड और पोषण की कमी कई महिलाओं के लिए मुश्किल बढ़ा सकती है। पीरियड्स के दिनों में शरीर को पर्याप्त पोषण देना जरूरी है। आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, चना और बीन्स भोजन में शामिल किए जा सकते हैं। रक्तस्राव के कारण होने वाली कमजोरी से बचने के लिए पर्याप्त पोषण महत्वपूर्ण है।

कैल्शियम और प्रोटीन भी शरीर के लिए जरूरी हैं। दूध-दही जैसे खाद्य पदार्थ, यदि व्यक्ति को अनुकूल हों, तथा दालें, अंडे और अन्य प्रोटीन स्रोत संतुलित मात्रा में लिए जा सकते हैं। फल, सब्जियां और साबुत अनाज शरीर को जरूरी पोषक तत्व और फाइबर उपलब्ध कराते हैं। पीरियड्स के दौरान पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। बहुत ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थ शरीर



में सूजन और भारीपन की समस्या बढ़ा सकते हैं। इसी तरह अत्यधिक मीठे पेय और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित रखना बेहतर हो सकता है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि हर महिला का शरीर अलग होता है। अगर पीरियड्स का दर्द असहनीय हो, रक्तस्राव बहुत ज्यादा हो या रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही हो, तो इसे केवल खानपान की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में स्त्री रोग विशेषज्ञ से जांच और सलाह लेना जरूरी है।

धनिये की पंजीरी और रसभरे मालपुआ

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। जन्माष्टमी का त्योहार हिंदू धर्म के सबसे खास त्योहारों में से एक माना जाता है। इस दिन को भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस साल जन्माष्टमी का त्योहार 4 सितंबर को मनाया जाएगा। इस दिन लोग भगवान कृष्ण की रात को पूजा करते हैं और उन्हें खास भोग लगाते हैं। इस दिन पूजा में भगवान कृष्ण की कुछ प्रिय चीजों का भोग लगाया जाता है, ताकि लड्डू गोपाल प्रसन्न हो और अपने भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखें। आइए जानें जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण के भोग के लिए कुछ डिशेज। माखन-मिश्री भगवान श्री कृष्ण का सबसे प्रिय भोग माना जाता है। माना जाता है कि भगवान कृष्ण को मक्खन बहुत पसंद था। इसलिए जन्माष्टमी के मौके पर भगवान कृष्ण को सफेद मक्खन और मिश्री का भोग लगाया जाता है। घर में दूध से मक्खन निकाल लें और उसमें मिश्री मिलाकर श्री कृष्ण को भोग लगाएं। जन्माष्टमी पर कान्हा का पंचामृत का भोग भी लगाया जाता है।

थकान से हड्डियों के दर्द तक... भारत में विटामिन बी12 और डी की कमी क्यों बन रही बड़ी चिंता?

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

दिनभर थकान रहना, शरीर में कमजोरी महसूस होना, हाथ-पैरों में झनझनाहट या हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द—इन लक्षणों को लोग अक्सर काम के दबाव या बढ़ती उम्र का असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई मामलों में इनके पीछे विटामिन बी12 और विटामिन डी की कमी हो सकती है।

विटामिन बी12 शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं और तंत्रिका तंत्र के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी है। इसकी कमी से कमजोरी, थकान, जीभ में परेशानी और हाथ-पैरों में सुन्नपन या झनझनाहट जैसे लक्षण हो सकते हैं। लंबे समय तक गंभीर कमी



रहने पर नसों को नुकसान भी हो सकता है। वहीं विटामिन डी शरीर को कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है और हड्डियों को मजबूत बनाए

रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी कमी से हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों की कमजोरी और बच्चों में हड्डियों के विकास से जुड़ी समस्याएं हो

सकती हैं। भारत में विटामिन डी की कमी का एक कारण पर्याप्त धूप न मिलना हो सकता है। घर या कार्यालय में लंबे समय तक रहना, त्वचा को पूरी तरह ढककर रखना और जीवनशैली में बदलाव भी असर डाल सकते हैं। बी12 की कमी का खतरा उन लोगों में बढ़ सकता है जिनके भोजन में इसके प्राकृतिक स्रोत पर्याप्त नहीं हैं या जिनके शरीर में इसका अवशोषण ठीक से नहीं हो रहा। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि लगातार कमजोरी या दर्द होने पर खुद से सप्लीमेंट शुरू करने के बजाय डॉक्टर की सलाह और जरूरत पड़ने पर जांच कराई जाए। संतुलित भोजन, नियमित दिनचर्या और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार ही कमी को सुरक्षित तरीके से पूरा करने का बेहतर रास्ता है।

भारत का 'गोल्ड रश' अब दुबई के रास्ते! UAE से सोने का आयात आसमान पर, बाकी दुनिया से घटी खरीद

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

भारत में सोने की खरीद का रुख तेजी से बदलता दिख रहा है। सोने की कुल मांग और आयात पर ऊंची कीमतों का दबाव होने के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात से आने वाले सोने की हिस्सेदारी में जबरदस्त उछाल आया है। जून 2026 में भारत ने यूएई से करीब 64.94 करोड़ डॉलर का सोना आयात किया, जो जून 2025 के 23.59 करोड़ डॉलर के मुकाबले 175.2 प्रतिशत अधिक है। दिलचस्प बात यह है कि इसी दौरान दुनिया के बाकी देशों से भारत का सोना आयात 17.7 प्रतिशत घटकर 132 करोड़ डॉलर रह गया। यानी जून में भारत के सोने के आयात में हुई पूरी बढ़ोतरी अकेले यूएई से आने वाली खेपों के कारण हुई। भारत के कुल मासिक सोना आयात में यूएई की हिस्सेदारी एक साल में 12.8 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो गई।

अप्रैल-जून की तिमाही में भी तस्वीर चौंकाने वाली रही। यूएई से सोने का आयात 124.8 प्रतिशत बढ़कर 314 करोड़ डॉलर पहुंच गया। इस तिमाही में भारत के कुल सोना आयात में हुई 353 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी में अकेले यूएई का योगदान करीब 174 करोड़ डॉलर रहा। इसके पीछे भारत-यूएई व्यापार समझौते के तहत



मिलने वाली एक प्रतिशत शुल्क रियायत भी जांच के घेरे में है। वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल ने आशंका जताई है कि इससे सोने की आपूर्ति को यूएई के रास्ते मोड़ने का प्रोत्साहन मिल सकता है। हालांकि इसे केवल 'दुबई का गोल्ड रश' कहना पूरी तस्वीर नहीं है। विश्व स्वर्ण परिषद के मुताबिक 2026 की दूसरी तिमाही में भारत की सोने की मांग मात्रा के लिहाज से 6 प्रतिशत घटी, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण खर्च रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

पति का PF और ग्रेच्युटी मिला, फिर भी नहीं मिलेगी फैमिली पेंशन! दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले से समझे बड़ा नियम

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

पति की मौत के बाद पत्नी को प्रोविडेंट फंड और ग्रेच्युटी जैसे सभी अंतिम सेवा लाभ मिल जाएं, इसका मतलब यह नहीं कि उसे अपने आप फैमिली पेंशन का अधिकार भी मिल जाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट के एक अहम फैसले ने साफ किया है कि पेंशन योजना में शामिल होने के लिए तय शर्तों और समय-सीमा का पालन जरूरी है। मामला बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कर्मचारी रमेश चंद की पत्नी सावित्री देवी से जुड़ा है। रमेश चंद ने 1985 में बैंक की सेवा ज्वाइन की थी और 12 फरवरी 2006 को सेवा के दौरान उनका निधन हो गया। उस समय वे अंशदायी भविष्य निधि व्यवस्था के अंतर्गत आते थे। बैंक ने उनकी पत्नी को PF और ग्रेच्युटी समेत अंतिम सेवा लाभों का भुगतान कर दिया था।

बाद में वर्ष 2010 में बैंक ने कुछ

कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और मृत कर्मचारियों के परिवारों को एकमुश्त अवसर दिया कि वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत पेंशन योजना का विकल्प चुन सकें। सावित्री देवी इस श्रेणी में पात्र थीं, लेकिन उन्हें तय समय-सीमा 18 अक्टूबर 2010 तक निर्धारित फॉर्म जमा करना था। उन्होंने बाद में फॉर्म जमा करने का दावा किया, लेकिन समय पर आवेदन देने का कोई प्राप्ति प्रमाण या रिकॉर्ड पेश नहीं कर सकीं। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि केवल पात्र होना पर्याप्त नहीं है, योजना की अनिवार्य शर्तों का पालन भी जरूरी है। अदालत ने यह भी माना कि वर्षों बाद किया गया दावा पुराने अधिकार को दोबारा जीवित नहीं कर सकता। किसी कर्मचारी या परिवार को पेंशन योजना का विकल्प मिलने पर समय-सीमा, आवेदन प्रक्रिया और रसीद जैसे दस्तावेजों को गंभीरता से संभालकर रखना चाहिए।

मिलों के बाद खुदरा बाजारों में भी घटे चीनी दाम

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली | चीनी की कीमतों में उछाल के बाद अब राहत भरी खबर आ रही है। 18 अगस्त के दौरान मिलों में चीनी अबतक के सबसे ऊंचे दाम पर पहुंची थी, जिसका असर खुदरा बाजारों में रक्षाबंधन के आसपास देखने को मिला। देश के कई स्थानीय बाजारों में इसकी कीमत 70 प्रति किलो को भी पार कर गई थी। हालांकि मिलों के बाद अब खुदरा कीमतों में भी कमी आने लगी है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक चीनी का खुदरा मूल्य में एक हफ्ते में 3.85 प्रतिशत की गिरावट आई है। 2 सितंबर को ISMA और NFCSF की प्रेस कॉन्फ्रेंस जिसमें जिसमें बताया गया कि पारदर्शी कोटा जारी करने और जमाखोरी के खिलाफ सख्ती के चलते एक्स-मिल कीमतें पहले ही 30% कम हो गई हैं। अब हाल ही में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बाद, चीनी का अखिल भारतीय खुदरा मूल्य एक सप्ताह में 3.85 प्रतिशत घटकर 62.57 प्रति किलोग्राम हो गया है, जो पिछले हफ्ते 65.08 प्रति किलोग्राम था। हालांकि, कीमतें अभी भी पिछले महीने के 49.33 प्रति किलोग्राम के स्तर से 27 प्रतिशत अधिक हैं। थोक भाव में भी आई गिरावट- उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा बताए गए आंकड़ों के अनुसार, चीनी के खुदरा दामों में एक हफ्ते में 3.85 फीसदी की गिरावट आई है। इसके साथ ही चीनी का औसत थोक मूल्य भी एक सप्ताह पहले के 60.39 प्रति किलोग्राम से घटकर 2 सितंबर को 57.62 प्रति किलोग्राम हो गया।

नाम 'फाइव स्टार', काम खराब! किचन में कॉकरोच और एक्सपायर्ड खाना, एफएसएसआई का कड़ा शिकंजा

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

पांच सितारा होटल का नाम सुनते ही लोगों के जेहन में महंगे कमरे, शानदार खाना और बेहतरीन साफ-सफाई की तस्वीर बनती है। लेकिन हालिया खाद्य सुरक्षा जांचों ने इस चमकदार तस्वीर पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली के दो पांच सितारा होटलों में जांच के दौरान बड़ी मात्रा में एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसआई ने सख्ती बढ़ा दी है। एक होटल में 87 किलो एक्सपायर्ड मिठाइयां, जबकि दूसरे में 105 किलो एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री मिलने की रिपोर्ट सामने आई है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले एफएसएसआई ने दिल्ली के प्रमुख पांच सितारा होटलों को खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन में शून्य सहनशीलता अपनाने के निर्देश दिए हैं। होटलों को रसोई और खाद्य संचालन से जुड़े कर्मचारियों की फॉस्टैक प्रशिक्षण व्यवस्था मजबूत करने तथा खाद्य



सुरक्षा ऑडिट को गंभीरता से लेने को कहा गया है। एफएसएसआई के अपने स्वच्छता ऑडिट रिकॉर्ड भी बताते हैं कि कई प्रतिष्ठानों में कीट नियंत्रण, भोजन के भंडारण, तापमान निगरानी, सफाई और प्रशिक्षित खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक जैसे क्षेत्रों में कमियां सामने आती रही हैं।

सवाल सिर्फ महंगे होटल की प्रतिष्ठा का

नहीं, बल्कि वहां खाना खाने वाले ग्राहकों की सेहत का है। जब हजारों रुपये का बिल चुकाने के बावजूद रसोई में एक्सपायर्ड भोजन या स्वच्छता संबंधी गंभीर लापरवाही मिले, तो फिर 'फाइव स्टार' का तमगा आखिर किस काम का? अब निगरानी के साथ कार्रवाई कितनी सख्त होती है, यही असली परीक्षा है।

35 साल बाद भारत की साख पर लगा 'ए-' का टप्पा! जापानी एजेंसी जेसीआर ने बढ़ाई ऐतिहासिक रेटिंग

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। जापान की प्रमुख रेटिंग एजेंसी जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर) ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को बीबीबी प्लस से बढ़ाकर ए माइनस कर दिया है। एजेंसी ने भारत के लिए आउटलुक भी स्थिर रखा है।



जेसीआर ने यह फैसला 2 सितंबर 2026 को जारी किया। इस अपग्रेड को भारत के लिए खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि देश को किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से ए श्रेणी की रेटिंग करीब 35 साल बाद मिली है। रिपोर्टों के अनुसार इससे पहले 1988 में भारत को मूडीज से तुलनीय ए श्रेणी की रेटिंग मिली थी। जेसीआर ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि को फैसले का प्रमुख आधार बताया

है। एजेंसी के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था करीब 7 प्रतिशत की मजबूत विकास दर बनाए हुए है, जिसे निजी खपत और सार्वजनिक निवेश का सहारा मिल रहा है। डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, वस्तु एवं सेवा कर जैसे सुधारों और वित्तीय क्षेत्र की बेहतर स्थिति को भी रेटिंग बढ़ाने की वजह माना गया है। एजेंसी ने बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र की मजबूती में सुधार का भी उल्लेख किया है।

35 साल पुराने लोन घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, केस रद्द

मृतकों के परिवारों को मिल सकते हैं 3 करोड़

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। करीब 35 साल से अदालतों में उलझे एक पुराने बैंक लोन घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है। मामला वर्ष 1991 का था और लंबे समय तक मुकदमे के चलते इसके दो आरोपी इस दुनिया से चले गए। अब मामले के खत्म होने के बाद उनके परिवारों को करीब 3 करोड़ रुपये की रकम मिलने का रास्ता साफ हो सकता है।



इस मामले में आरोपियों पर बैंक से जुड़े ऋण लेन-देन में अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। लेकिन करीब साढ़े तीन दशक तक चली कानूनी प्रक्रिया के दौरान मामला अंतिम निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सका। इस बीच दो आरोपियों की मृत्यु हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की लंबी अवधि और उससे जुड़े कानूनी पहलुओं पर विचार करते हुए कार्यवाही को समाप्त कर दिया।

मामले का सबसे दिलचस्प पहलू आर्थिक मुआवजे से जुड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दो मृत आरोपियों के परिवारों को करीब 3 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। यह रकम उस धनराशि से जुड़ी है जो लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया

के कारण अटकी हुई थी। करीब 15 वर्षों से जमा रकम पर चक्रवृद्धि ब्याज जुड़ने के कारण अंतिम भुगतान इससे भी अधिक हो सकता है। यह फैसला केवल एक पुराने बैंक मामले के अंत तक सीमित नहीं है। यह सवाल भी खड़ा करता है कि दशकों तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का बोझ आखिर किस पर पड़ता है? आरोपी की मृत्यु के बाद भी मुकदमा चलता रहे और परिवार वर्षों तक कानूनी अनिश्चितता में रहे, तो न्याय व्यवस्था की गति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय लंबे समय से लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे की जरूरत को एक बार फिर रेखांकित करता है।

तिरुमाला मंदिर के अधिकारी पर एसीबी का छापा, 5 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के डिप्टी कार्यकारी अधिकारी मेंडु लोकनाथम के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में आंध्र प्रदेश भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह सात टीमों ने तिरुपति और आसपास उनके घर, कार्यालय और रिश्तेदारों से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। कार्रवाई न्यायालय से जारी तलाशी वारंट के आधार पर की गई।

तलाशी के दौरान अधिकारियों को करीब 5 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज मिले। इसके अलावा लगभग 2 किलो सोना, 6.5 किलो चांदी और 12.5 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। सोने में करीब 1.42 किलो वजन का सोने का पात्र भी शामिल बताया गया है। चार सावधि जमा और कई अचल संपत्तियों के कागजात भी जांच एजेंसी के हाथ लगे हैं।

जांच में सामने आया कि लोकनाथम की पत्नी



के नाम तिरुपति में मकान और जमीन, जबकि बेटे के नाम भी एक भूखंड दर्ज है। रिश्तेदारों से जुड़े परिसरों से भी संपत्ति संबंधी दस्तावेज मिले हैं। एसीबी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन संपत्तियों का वास्तविक स्रोत क्या है और क्या वे अधिकारी की ज्ञात आय से अधिक हैं। मामले की कड़ी तिरुपति लड्डू घी मिलावट प्रकरण की सीबीआई जांच से भी जुड़ती है। सीबीआई से टीटीडी कर्मचारियों की संपत्तियों से संबंधित जानकारी मिलने के बाद एसीबी ने कार्रवाई आगे बढ़ाई। हालांकि आरोप अभी जांच के स्तर पर हैं और अंतिम निष्कर्ष कानूनी प्रक्रिया के बाद ही सामने आएगा।

बर्खास्तगी पर हाईकोर्ट का ब्रेक, अब डीएसपी की नौकरी वापस!

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जेल से हुए विवादित साक्षात्कार मामले में पंजाब सरकार को बड़ा कानूनी झटका लगा है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस के तत्कालीन उप पुलिस अधीक्षक गुरशेर सिंह संधू की बर्खास्तगी का आदेश रद्द कर दिया है। अदालत ने सरकार को उन्हें सेवा में बहाल करने के निर्देश दिए हैं। संधू को 2 जनवरी 2025 को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया गया था। सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 311(2)(ब) का सहारा लेते हुए नियमित विभागीय जांच के बिना यह कार्रवाई की थी। उन पर गंभीर कर्तव्य-लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप लगाए गए थे तथा आरोप था कि उन्होंने बिश्नोई के साक्षात्कार की व्यवस्था में भूमिका निभाई।

लेकिन हाईकोर्ट ने इस तरीके पर ही सवाल खड़ा कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि कथित रूप से जांच में सहयोग नहीं करना या



आरोपपत्र से बचने की कोशिश करना, अपने आप में नियमित विभागीय जांच खत्म करने के लिए पर्याप्त संवैधानिक आधार नहीं बन जाता। हालांकि संधू को मिली राहत अंतिम क्लीनचिट नहीं है। अदालत ने उनकी बहाली का रास्ता साफ करते हुए सरकार को लंबित विभागीय जांच जारी रखने की स्वतंत्रता दी है। यानी नौकरी वापस मिलेगी, लेकिन आरोपों की जांच का रास्ता बंद नहीं हुआ है।

अब असली सवाल पंजाब सरकार से है- अगर विभागीय जांच जरूरी थी तो बर्खास्तगी में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई?

हरियाणा में 504 करोड़ का खेल, छह आईएएस भी आरोपी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

सीबीआई की तीसरी चार्जशीट में 19 नाम; बैंककर्मियों ने अपनी ही शाखाओं में खुलवाए खाते, अब तक 37 आरोपी और 26 गिरफ्तार

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार के आठ अलग-अलग विभागों और संगठनों के करीब 504 करोड़ रुपये के कथित गबन के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बुधवार को तीसरी चार्जशीट दाखिल कर दी। इस बार जांच की आंच सीधे प्रशासनिक तंत्र के शीर्ष स्तर तक पहुंची है। चार्जशीट में हरियाणा कैडर के छह आईएएस अधिकारियों के साथ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के तीन अधिकारियों और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एक अधिकारी को आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार इस मामले में सरकारी धन को कथित तौर पर योजनाबद्ध तरीके से इधर-उधर किया गया। मामले का एक अहम पहलू यह है कि आरोपी बैंककर्मियों ने कथित तौर पर अपने-अपने

₹504 करोड़ के IDFC फंड हेराफेरी में हरियाणा के 6 IAS अफसरों समेत 19 के खिलाफ तीसरी चार्जशीट



बैंक की शाखाओं में खाते खुलवाए, जिनके माध्यम से सरकारी धन के लेनदेन का रास्ता तैयार किया गया। सीबीआई इससे पहले भी इस मामले में दो आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। तीसरी चार्जशीट के बाद कुल 37 आरोपी जांच के दायरे में आ चुके हैं। एजेंसी अब

तक 26 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच के दौरान 54 स्थानों पर तलाशी भी ली गई। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सरकारी विभागों की इतनी बड़ी रकम के लेनदेन पर निगरानी रखने वाली व्यवस्था आखिर कहां थी? यदि बैंक स्तर पर खाते खोले गए और करोड़ों रुपये का लेनदेन हुआ, तो संबंधित विभागों के अधिकारियों और वित्तीय निगरानी तंत्र को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? छह आईएएस अधिकारियों के नाम चार्जशीट में आने से मामला और गंभीर हो गया है।

अब जांच केवल रकम की बरामदगी तक सीमित नहीं

बल्कि यह पता लगाने पर भी टिक गई है कि 504 करोड़ रुपये के इस कथित खेल में निर्णय लेने, धन जारी करने और उसे दूसरी जगह पहुंचाने की पूरी श्रृंखला कितनी गहरी थी। हालांकि, चार्जशीट में आरोपी बनाया जाना दोष सिद्ध होना नहीं है। अंतिम फैसला अदालत में साक्ष्यों और सुनवाई के आधार पर होगा।